## उत्तरांगल शासन औद्योगिक विकास अनुभाग–1 संख्या: ५६६४ / २।।-। / १८२ ख / २००६ देहरादून : दिनांकट ६-नवम्बर, २००६

## कार्यालय ज्ञाप

जन्मद आगेश्वर नहर्रक्षत कमकार के याम किन्दर्ह में लिका संभारतीन के प्रारमित्य कार्य हत् प्रारमित्य नाईसर प्रारत करने देतु लिका गरिवर विभवनिती, १९६० के प्रानिशनों के अन्तरीत अविदेक श्री शिखर गाईन्स, प्रांठ लक्ष्म सिंह एवं हमतन्द्र चप्रती, निवासी अगरावती कालांगी से हन्द्रावी, जनमद नेगा जन्म द्वारा दिनाक का 7 2001 को जिलांगिनवरी, मांगुश्वर कार्यालय में आविद्य पत्र प्रस्तुत दिया गया हो। एम्स्वत आकेदन एवं सम्मुर्ण आ १९५० अगिल्डम सहित प्रस्तुत नित्या गया देन

जिलादिकारी, वामेश्वर कमोलय द्वारा उपर्युक्त आवटन एउ में प्रारी करी किर्मा के विसक्त एक हैं पूज दिवाकित 23 जुंबाई, 2001 द्वारा मंजीकृत दाक से अलेदक का सह सूक्ता प्रसारित की गयी कि वारिस की पासि के एक माह के अन्दर वे आवश्यक अभिलेख प्रस्कृत करें, मरून् आवेदक द्वारा उनत संदर्भ में कोई अभिलेख की दिये गये और न ही कोई प्रस्कृतर दिया गया।

जात गरिपेरम में खिकर महिन्दर नियमानली, 1960 के प्राविधानी के अन्तर्गत आनंदक का जातिन पत्र के निरस्तीकरण के अधार के संयुक्ति करते हुए भारानादेश सरमा 3486/VII-1/182 ख/ २००६ दिनाक 13 अक्टूबर, 2006 के द्वारा 15 दिनों की नियारित समक्षति में जिल्लाविकारी, वांग्लार द्वारा द्वीव वर्तियां के नियानरण करने सम्बद्धी अभितरका/प्रपत्नी सहित भारान के समक्ष अपना पत्न स्थान का अवसर दिया गया। परन्तु भी शिक्तर माईन्स द्वारा नोई भी अभितरक प्रस्तुत नहीं किया गया।

अतः श्री शिखर गाईन्स हारा अहोदित शत्र वन नाहित पूर्ण अधिनेख प्रस्तुत न किय कहन के कारण जनके प्रारमितिय लाईसरा हेतु श्रस्तुत आवेदन एवं दिनांक १४.७.७७० वर्ते एतदाहरा अस्तीकृत विसा नाता होत

> (संबंधित संपद्ध) संवित्तः

पृथ्वांकन संख्याः ५८६३ (१)/VII-1/182—ख/2006, तद्दिनाकित। प्रतिलिपि निग्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1 जिलाशिकारी बागेश्वर (

2. अपर निदेशक, भूतत्व एवं खिनेकर्ग इकाई, उत्ताय निदेशालयः उत्तायम्ब दहरावृत्तः

निदेशक, सप्ट्रीय सूचना एव विज्ञान केन्द्र, सविवालव परिसर, दहरसङ्गा

श्री शिक्षर गाईन्स प्रोठ लक्ष्मण सिंह एवं हेपचन्द्र उद्येती, निवासी अगरवाती कालानी 11 हिन्सुनी जनपद नौनीताल।

अहम रा

(सनीत क्षेत्रक) हा प